NBT नवभारत टाइम्स

नंबर कम, पर हैं साइबर वर्ल्ड के 'माहिर' तो मिलेगा डीयू में चांस

इंस्टिट्यूट फॉर साइबर सिक्यॉरिटी एंड लॉ इस साल पहले बैच के लिए लेगा एडमिशन

Katyayani.Upreti@timesgroup.com

■ **डीयू : साइबर** सिक्यॉरिटी एक्सपर्ट बनाने के लिए डीयू इस अकैडमिक सेशन से तैयार है। इंस्टिट्यूट फॉर साइबर सिक्यॉरिटी एंड लॉ पहले बैच के लिए एडमिशन करेगा। एक साल की देरी के बाद डीयू साइबर सिक्यॉरिटी एंड लॉ में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स शुरू कर रहा है। यूनिवर्सिटी ने पहले इसके लिए ऑल इंडिया लेवल पर एंट्रेंस रखने का सोचा था, लेकिन अब क्वॉलिफाइंग एग्जाम की मेरिट और इंटरव्यू के आधार पर एडमिशन होंगे। खास बात यह है कि अगर आपके मार्क्स कम हैं मगर साइबर वर्ल्ड आपका पैशन है, तो भी एडमिशन के चांस हैं।

NBT नवभारत टाइम्स PLANET CAMPUS कल हमारा है

इंस्टिट्यूट ऑफ साइबर सिक्यॉरिटी एंड लॉ की ओएसडी डॉ.सुनैना कनौजिया कहती हैं, यह एक प्रफेशनल प्रोग्राम है और देशभर की सेंट्रल और स्टेट यूनिवर्सिटी में यह पहला एक्सपर्टीज प्रोग्राम होगा, जिसमें हैकिंग और साइबर सिक्यॉरिटी के हर फंडे को समझने और करने के लिए इंटरनैशनल लेवल की ट्रेनिंग दी जाएगी। कोर्स एक साल का होगा। फैकल्टी विजिटिंग होगी, जिसमें इंडस्ट्रीज जैसे बैंकिंग, ई-कॉमर्स, मोबाइल जैसे फील्ड के सिक्यॉरिटी ऑफिसर्स भी शामिल हैं। इस कोर्स से सरकारी और इंडस्ट्रीज के एक्सपर्ट्स जुड़ रहे हैं। बैंकिंग, ई-कॉमर्स के जरिए देश से बाहर के क्लाइंट के प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा।

ऐसे होगा सिलेक्शन

इस कोर्स के लिए स्टूडेंट्स को यूजी या पीजी के स्कोर और पर्सनल इंटरव्यू के आधार पर चुना जाएगा। सुनैना कहती हैं, क्वॉलिफाइंग डिग्री के मार्क्स का वेटेज 85% और इंटरव्यू का 15% होगा। दोनों के स्कोर को मिलाकर मेरिट तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर एडमिशन होंगे। साइंस, आईटी, मैथ्स, इंजीनियरिंग, बीसीए, एमसीए, एमटेक जैसी कोई भी डिग्री के स्टूडेंट्स इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं। पूरी जानकारी icsl.du.ac.in में मिलेगी। डॉ सुनैना बताती हैं, हमारी कोशिश है कि हम उन स्टूडेंट्स को चुनें जिनकी कंप्यूटर्स, साइबर वर्ल्ड में दिलचस्पी हो। इसी वजह से हमने इंटरव्यू रखा है और इंटरव्यू पैनल में इंडस्ट्री के एक्सपर्ट्स शामिल होंगे। स्टूडेंट के नंबर चाहे कम हों, लेकिन उसकी जानकारी साइबर फील्ड में अच्छी है, तो उसे जरूर चुना जाएगा। इसी वजह से हम अप्लाई करने वाले सभी कैंडिडेट्स को इंटरव्यू के लिए बुलाएंगे। पहले साल 50 स्टूडेंट्स का बैच होगा, सीटों का रिजर्वेशन डीयू की पॉलिसी पर होगा।

रजिस्ट्रेशन और फीस

admission.du.ac.in पर जाकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 7 जून तक किया जा सकता है। रजिस्ट्रेशन फीस 2000 रुपये (1500 रुपये रिजर्व कैटिगरी) है। कोर्स की फीस 65400 रुपये है। डॉ सुनैना कहती हैं, डीयू के मुकाबले इस कोर्स की फीस प्राइवेट इंस्टिट्यूट में 10 गुना ज्यादा है। यहां स्टूडेंट्स को प्लेसमेंट का मौका भी मिलेगा। हमने इंडस्ट्री के एक्सपर्ट्स से बातचीत की है, शुरुआती पैकेज 8 से 10 लाख रुपये तक हो सकता है और इससे ऊपर यह 50 लाख रुपये तक जा सकता है। इस वक्त दुनियाभर में साइबर सिक्यॉरिटी फील्ड में 10 लाख जॉब्स के मौके हैं। कोर्स साइबर सिक्यॉरिटी, नेटवर्क सिक्यॉरिटी, मोबाइल इको सिस्टम सिक्यॉरिटी, साइबर लॉ एंड फरेंसिक्स, क्रिप्टोग्राफी, वेब डिजाइनिंग और वेब ऐप्लिकेशन सिक्यॉरिटी जैसे कई टॉपिक कवर करेगा।